



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 409]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 4, 1989/ श्रावण 13, 1911

No. 409]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 4, 1989/SRAVANA 13, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1989

अतिरिक्तार्थ

सा.का.नि. 739(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी (संशोधन) अधिनियम, 1988 (1988 का 31) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 4 अगस्त, 1989 को एतद्वारा ऐसी कानून के रूप में नियत करती है जिसकी धारा 4(ग) (के) जहाँ तक यह कम्पनी विधि बोर्ड के सदस्यों की अर्हताओं तथा अनुभव के निर्धारण से सम्बन्धित है। उपबन्ध प्रवृत्त होंगे।

[फा.सं. 1/19/87-सा.एन.-5]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 4th August, 1989

G.S.R. 739(F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Companies (Amendment) Act, 1988 (31 of 1988), the Central Government hereby appoints the 4th day of August, 1989, as the date on which the provisions of 2186GI/89

(1)

section 4(c) (in so far as it relates to prescription of qualifications and experience of the members of the Company Law Board) shall come into force.

[File No. 1/19/87-CL.V]

सा.का.नि. 740(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी प्रातिनिधि, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (क) के साथ पठित धारा 10 के उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कम्पनी विधि बोर्ड के सदस्य (अर्हताएं और अनुभव) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा श्रोत न हो—

(क) “अध्यक्ष” से कंपनी विधि बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ख) “कंपनी विधि बोर्ड” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10 के उपधारा (1) के अधीन गठित कंपनी विधि प्रकाशन बोर्ड अभिप्रेत है;

(ग) “कंपनी विधि सेवा” से केन्द्रीय कंपनी विधि सेवा नियम, 1965 के नियम 3 के अधीन गठित केन्द्रीय कंपनी विधि सेवा अभिप्रेत है;

(घ) "सदस्य" से कंपनी विधि बोर्ड का सदस्य अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत अध्यक्ष भी है।

3. सदस्यों की नियुक्ति के लिए अर्हताएं और आयुसीमा—(1) कोई व्यक्ति सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक अर्हता नहीं होगा जब तक कि वह—

(i) कंपनी विधि सेवा का सदस्य न हो या सदस्य न रह चुका हो और उस सेवा में अतिकाल श्रेणी या चयन श्रेणी में पद धारण किए हुए है या धारण किए हुए था और जो भारत सरकार में संयुक्त सचिव की श्रेणी में किसी पद पर नियुक्त किए जाने के लिए पात्र हो; या

(ii) केन्द्रीय कर्मचार्यव्यवस्था स्कीम के अधीन भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में या केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी ऐसे पद पर नियुक्त किए जाने के लिए पात्र न हो जिसका वेतनमान भारत सरकार के संयुक्त सचिव के वेतनमान से कम न हो और वाणिज्य उद्योग, व्यवसाय, वाणिज्य या विधि में संबंधित समस्याओं के निपटान के संबंध में परामर्श ज्ञान और अनुभव रखता हो; या

(iii) भारत के राज्यक्षेत्र में कम से कम 10 वर्ष तक कोई न्यायिक पद धारण न कर चुका हो; या

(iv) किसी उच्च न्यायालय का कम से कम 10 वर्ष तक अधिवक्ता न रह चुका हो या कुल 10 वर्ष की अवधि में कोई न्यायिक पद को धारित न कर चुका हो और भागतः अधिवक्ता के रूप में विधि व्यवसायी न रह चुका हो; या

(v) कम से कम 15 वर्ष तक—

(क) नार्डर्ड अकाउन्टेड अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अधीन नार्डर्ड अकाउन्टेड के रूप में व्यवसायी न हो या न रह चुका हो; या

(ख) लागत और संकर्म अकाउन्टेड अधिनियम, 1959 (1959 का 23) के अधीन लागत लेखाकार के रूप में व्यवसायी न हो या न रह चुका हो; या

(vi) कम से कम 15 वर्ष कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के खंड (45क) में यथापरिभाषित पूर्ण कालिक व्यवसाय करने वाले सचिव के रूप में और कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) के अधीन गठित भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान के सदस्य के रूप में कार्य करने का अनुभव न रखता हो।

(2) कोई व्यक्ति सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि उसने पितालीस वर्ष की आयु पूरी न कर ली हो।

4. कंपनी विधि बोर्ड की संरचना—(1) यथाशक्य निम्नलिखित रूप से सदस्यों में से आठ सदस्य वे व्यक्ति होंगे जो नियम 2 के उपनियम (1) के खंड (i) में यथाविनिर्दिष्ट अर्हताएं रखते हों:

परन्तु, उस व्यक्ति की बाबत जो कंपनी विधि सेवा के किसी सदस्य द्वारा भरी जानी है, जहां ऐसा कोई व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं है या उपयुक्त नहीं पाया जाता है, वहां, रिक्त स्थानों से चयन द्वारा भरी जाएगी।

(2) केन्द्रीय सरकार सदस्यों में से किसी एक को अध्यक्ष नियुक्त कर सकेगी।

(3) उपनियम (2) के अधीन नियुक्त किए जाने वाला अध्यक्ष वह व्यक्ति होगा जो भारत सरकार के अपर सचिव के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र है या जो कम से कम तीन वर्ष तक सदस्य का पद धारण कर चुका है।

5. भर्ती की पद्धति : (1) एक चयन बोर्ड होगा जो निम्नलिखित में मिलकर बनेगा।

(i) सचिव, भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग

(ii) सचिव, भारत सरकार, विधि और न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग,

(iii) कंपनी कार्य विभाग के भारसाधक मंत्री द्वारा नामनिर्दिष्ट भारत सरकार का कोई सचिव, और

(iv) अध्यक्ष, यदि पद पर हो, और उसकी पुनःनियुक्ति पर विचार नहीं किया जा रहा हो।

(2) सचिव, भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय, कंपनी कार्य विभाग, चयन बोर्ड का अध्यक्ष होगा।

(3) चयन बोर्ड, सदस्यों के रूप में नियुक्ति के लिए व्यक्तियों की सिफारिश विभाजन द्वारा उसके लिए आवेदन आमंत्रित करने के पश्चात् उन व्यक्तियों में से करेगा, जो कंपनी कार्य विभाग द्वारा तैयार की गई पात्र व्यक्तियों की सूची में है।

(4) केन्द्रीय सरकार, चयन बोर्ड की सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् इन प्रकार सिफारिश की गई नाम सूची में से व्यक्तियों की नियुक्ति करेगी। फिर भी केन्द्रीय सरकार नामसूची में से किसी या सभी नामों को अस्वीकृत कर सकेगी।

(5) इस नियम की कोई बात कंपनी विधि बोर्ड के किसी ऐसे सदस्य की नियुक्ति को लागू नहीं होगी जो इन नियमों के प्रारम्भ से ठीक पूर्व उस रूप में कार्य कर रहा है, यदि वह इन नियमों के अनुसार ऐसी नियुक्ति के लिए अयोग्यता पात्र है।

6. चिकित्सक दृष्टया योग्यता :—किसी व्यक्ति को सदस्य के रूप में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित किसी चिकित्सकीय बोर्ड द्वारा चिकित्सक दृष्टया योग्य घोषित न कर दिया हो, यदि उसे किसी समतुल्य प्राधिकारी द्वारा पहले ही योग्य घोषित न कर दिया गया हो।

7. सदस्य द्वारा त्यागपत्र :—कोई सदस्य, किसी भी समय लिखित में अपने हस्ताक्षर से केन्द्रीय सरकार को संबोधित करते हुए अपने पद में त्यागपत्र दे सकेगा :

परन्तु यह कि, सदस्य जब तक कि उसे केन्द्रीय सरकार द्वारा पहले ही पद त्यागने के लिए प्रयोजन न किया गया हो या ऐसी सूचना प्राप्ति से तीन मास की अवधि समाप्त न होने तक या ऐसे किसी व्यक्ति के उसके उत्तरवर्ती के रूप में सम्यक् रूप से नियुक्त हुआ है अपने पद पर न आने तक या अपने पद की अवधि समाप्त न होने तक, जो भी पूर्वतर हो, पद धारण करता रहेगा।

8. कुछ परिस्थितियों में सदस्य का पद से हटाया जाना :—केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे सदस्य को पद से हटा सकेगी। जो,

(क) व्यायनिर्णीत दिवालिया है, या

(ख) किसी ऐसे अपराध के लिए सिद्धोप प्रमाणित या चुका है जिसमें केन्द्रीय सरकार की संपत्ति में नैतिक अवयवता अवलंबित्व है, या

(ग) ऐसे सदस्य के रूप में कार्य करने में शारीरिक रूप से या मानसिक रूप से अक्षम हो गया है,

या

(घ) ऐसे विनियम और अन्य विहित अर्हताएं कर चुका है जिनसे उसके सदस्य के रूप में कर्तव्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, या

(क) अपने पद का दस्तावेज दुरुपयोग कर चुका है कि उसके पद पर बने रहने से लोक हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

9. सदस्यों के पदों से आकस्मिक रिक्त स्थान:—नियम 7 और नियम 8 के अधीन बोर्ड के अध्यक्ष या किसी सदस्य के त्यागपत्र या पद से हटाए जाने से हुई आकस्मिक रिक्ति को तुरंत नियुक्ति द्वारा भरा जाएगा।

10. सदस्यों के पद की अवधि:—कोई सदस्य अपना पद ग्रहण करने की तारीख से एक समय में पांच वर्ष की अवधि के लिए या जब तक कि वह:—

(क) अठारह वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता; और

(ख) यदि वह अध्यक्ष है तो साठ वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता, जो भी पूर्वतः हो, पद धारण करता रहेगा।

11. वेतन और भत्ते:—(1) अध्यक्ष को 7300-100-7600 के वेतनमान में वेतन का संदाय दिया जाएगा।

(2) सदस्य को 5900-200-6700 रु. के वेतनमान में वेतन का संदाय दिया जाएगा।

(3) अध्यक्ष और सदस्य वे भत्ते लेने के हकदार होंगे जो केन्द्रीय सरकार के प्रथम श्रेणी के अधिकारियों को प्राप्त है।

12. निर्वाचन:—यदि इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न है तो उसे केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए निदिष्ट किया जाएगा।

13. श्रावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रयोगों के लिए किए गए आरक्षण आयु सीमा में दी जाने वाली छूट और उन्हें दी जाने वाली अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

14. पद और गोपनीयता की शपथ:—अध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति अपना पद संभालने से पूर्व इन नियमों से जुड़ा प्रत्येक I और प्रत्येक II में पद और गोपनीयता की शपथ लेगा और उन पर हस्ताक्षर करेगा।

15. सेवा की शपथ:—किसी सदस्य की सेवा की वे शर्तें जिनकी ताबत इन नियमों में कोई उल्लेख नहीं किया गया है वेनी होंगी जैसी कि उस समय केन्द्रीय सरकार के सत्तमान हैनियत के अन्य कर्मचारियों को लागू हैं।

अनुच्छेद 1

(नियम 14 देखिए)

कम्पनी विधि बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्य के लिए पद का प्रत्येक

"मैं, अनुच्छेद, जो कम्पनी विधि बोर्ड का अध्यक्ष/सदस्य नियुक्त हुआ है, ईश्वर की शपथ लेता हूँ। सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों का आभ्यास और शुद्ध अन्वेषण से निर्वहन करूँगा तथा मैं भय या पक्षपात अनुश्रवण या दण्ड के बिना निर्वहन करूँगा।

प्रत्येक -II

(नियम 14 देखिए)

कम्पनी विधि बोर्ड अध्यक्ष/सदस्य के लिए पद और गोपनीयता का प्रत्येक

"मैं, अनुच्छेद, जो कम्पनी विधि बोर्ड का अध्यक्ष/सदस्य नियुक्त हुआ हूँ, ईश्वर की शपथ लेता हूँ। सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि जो विषय

कम्पनी विधि बोर्ड के अध्यक्ष/सदस्य के रूप में मेरे विचार में लाया जाएगा अथवा मुझे ज्ञात होगा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को, तब के विचार जब कि ऐसे अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों के सम्पूर्ण निर्वहन के लिए ऐसा करना अपेक्षित हो, मैं प्रत्येक या अप्रत्यक्ष रूप में मे संसूचित या प्रकट नहीं करूँगा।"

[फा.सं 1/19/87-सी.एल.-5]

सी. आर. सुन्दरराजन, संयुक्त सचिव

G.S.R. 740(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 10E read with clause (a) of sub-section (1) of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules, namely,—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Company Law Board Members (Qualifications and Experience) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Chairman" means Chairman of the Company Law Board;

(b) "Company Law Board" means the Board of Company Law Administration constituted under sub-section (1) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(c) "Company Law Service" means the Central Company Law Service constituted under rule 3 of the Central Company Law Service Rules, 1965;

(d) "Member" means a member of the Company Law Board and includes the Chairman

3. Qualifications and age limit for appointment of Members.—(1) A person shall not be qualified for appointment as a member unless he —

(i) is, or has been, a member of the Company Law Service and is holding, or has held, a post in super-time grade or selection grade in that service and is eligible to be appointed to a post in the grade of Joint Secretary to the Government of India; or

(ii) is, eligible to be appointed as a Joint Secretary to the Government of India under the Central Staffing Scheme, or to any other post under the Central Government carrying a scale of pay which is not less than that of Joint Secretary to the Government of India, and has adequate knowledge of, and experience in dealing with the problems relating to commerce, industry, economics, taxation or law; or

(iii) has, for at least 10 years, held a judicial office in the territory of India; or

(iv) has for at least ten years, been an advocate of a High Court; or has partly held a judicial office and has been partly in practice as an advocate for a total period of ten years; or

(v) is, or has been, for at least fifteen years in practice, as a—

(a) Chartered Accountant under the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or

(b) Cost Accountant under the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959);

(vi) has, for at least fifteen years, working experience as a Secretary in whole time practice as defined in clause (45A) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and is a member of the Institute of Company Secretaries of India constituted under the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980).

(2) A person shall not be eligible for appointment as member unless he has completed the age of forty-five years.

4. Composition of the Company Law Board.—(1) As nearly as may be, one-half of the Members shall be person possessing qualifications as specified in clause (i) of sub-rule (1) of rule (3) :

Provided that in respect of a vacancy which is to be filled by a member of the Company Law service, where either no such person is eligible or found suitable for appointment, the vacancy shall be filled in by selection from other sources

(2) The Central Government shall appoint one of the members to be the Chairman.

(3) The Chairman, to be appointed under sub-rule (2), shall be a person who is eligible to be appointed as an Additional Secretary to the Government of India; or who has at least for three years held office of the member.

5. Method of recruitment.—(1) There shall be a Selection Board consisting of —

(i) The Secretary to the Government of India, Ministry of Industry, Department of Company Affairs;

(ii) The Secretary to the Government of India, Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs;

(iii) Any Secretary to the Government of India, nominated by the Minister incharge of the Department of Company Affairs; and

(iv) The Chairman, if in Office and he is not being considered for re-appointment.

(2) The Secretary to the Government of India, Ministry of Industry, Department of Company Affairs shall be the Chairman of the Selection Board.

(3) The Selection Board shall recommend persons for appointment as members from amongst the persons on the list of eligible candidates prepared by the Department of Company Affairs after inviting applications therefor by advertisement.

(4) The Central Government shall, after taking into consideration the recommendations of the Selection Board, appoint persons out of the panel so recommended. However, it shall be open to the Central Government to reject any or all the names on the panel.

(5) Nothing in this rule shall apply to the appointment of any member of the Company Law Board functioning as such immediately before commencement of these rules, in case he is otherwise eligible for such appointment as per these rules.

6. Medical Fitness.—No person shall be appointed as member unless he is declared medically fit by a Medical Board to be constituted by the Central Government for the purpose, unless he has already been declared fit by an equivalent authority.

7. Resignation by a member.—A member may, by writing under his hand addressed to the Central Government, resign his office at any time:

Provided that the member shall, unless he is permitted by the Central Government to relinquish office sooner, continue to hold office until the expiry of three months from the date of receipt of such notice or until a person duly appointed as a successor enters upon his office or until the expiry of his term of office whichever is earliest.

8. Removal of members from office in certain circumstances.—The Central Government may remove from office any member, who —

(a) has been adjudged an insolvent; or

(b) has been convicted of an offence which, in the opinion of the Central Government, involves moral turpitude; or

(c) has become physically or mentally incapable of acting as such member; or

(d) has acquired such financial or other interest as is likely to affect prejudicially his functions as a member; or

(e) has so abused his position as to render his continuance in office prejudicial to the public interest.

9. Casual vacancy in the office of members.—A casual vacancy caused by the resignation or removal of the Chairman or any other member of the Board under rules 7 and 8 shall be filled by fresh appointment.

10. Term of office of members.—Every member shall hold office for a term of five years at a time from the date of his assumption of office or until he attains,—

(a) the age of fifty-eight years; and

(b) if he is the Chairman, the age of sixty years, whichever is earlier.

11. Salary and allowances.—(1) The Chairman shall be paid salary in the scale of Rs. 7300-100-7600.

(2) A member shall be paid a salary in the scale of Rs. 5900-200-6700.

(3) The Chairman and members shall be entitled to draw allowances as are admissible to a Central Government Officer of the first grade.

12. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these rules, the same shall be referred to the Central Government for its decision.

13. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Schedule Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

14. Oaths of office and secrecy.—Every person appointed to be Chairman or a member shall, before entering upon his office, make and subscribe to an oath of office and of secrecy in Forms I and II annexed to these rules.

15. Other Conditions of Service.—The conditions of service of a member in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as may for the time being be applicable to other employees of the Government of India of a corresponding status.

FORM I

(See Rule 14)

Form of oath of Office for Chairman/member of the Company Law Board.

"I, A.B., having been appointed as Chairman/member of the Company Law Board do solemnly affirm/do swear in the name of God that I will faithfully and conscientiously discharge my duties as Chairman/member to the best of my ability, knowledge and judgement, without fear or favour, affection or ill-will."

FORM II

(See rule 14)

Form of oath of secrecy for Chairman/member of the Company Law Board.

"I, A.B., having been appointed as Chairman/member of the Company Law Board, do solemnly affirm/do swear in the name of God that I will not directly or indirectly communicate or reveal to any person or persons any matter which shall be brought under my consideration or shall become known to me as Chairman/member of the said Company Law Board except as may be required for the due discharge of my duties as Chairman/Member."

[File No. 1/19/87 C.L. V.]
C. R. SUNDARARAJAN, Jt. Secy.

